पाठ 1. स्वरों का ज्ञान

अभ्यास कार्य

चित्र पहचानकर इनके नाम का पहला वर्ण लिखिए।

अ	ई	इ	औ	ऋ	ऐ
उ	ए	ऊ	आ	ओ	अं

पाठ 2. व्यंजनों का ज्ञान

अभ्यास कार्य

चित्र पहचानिए और छूटे वर्ण भरकर इनके नाम पूरे कीजिए।

ट	क	ख	ड	म	न	प	ब
ढ	च	द	ठ	फ	ज	ल	त

पाठ 3. बिना मात्रा वाले शब्द

अभ्यास कार्य

(क) 1. बरगद 2. शरबत 3. अचकन 4. गड़बड़ 5. थरमस

(ख) 1. दस 2. फल 3. मगर 4. खटमल 5. थरमस 6. पनघट
7. सरपट 8. झटपट 9. दशरथ 10. अजगर

पाठ 5. मात्राओं का ज्ञान

अभ्यास कार्य

(क) 1. बादल 2. खाना 3. अनार 4. चाचा
(ख) पाठ आकाश समझदार
(ग) माला, ताला, लाल, नाम, गाय
(घ) ताला, छाता, माला, तारा, गाजर, राजा

इ की मात्रा (ि)

अभ्यास कार्य

(क) 1. पिकनिक 2. सितार 3. चिड़िया 4. घिर 5. बारिश
(ख) हिमालय, मिठाई, लिख, तिनका

ई की मात्रा (ी)

अभ्यास कार्य

(क) मकड़ी तीर खीरा बकरी हाथी
(ग) कीमती लीची दीदी नानीजी

उ की मात्रा (ु)

अभ्यास कार्य

(क) जिन वर्णों में ज़रूरी हो, उनमें उ की मात्रा लगाइए–
1. सुमन 2. कुरता 3. दुकान 4. सुराही

(ख) सही शब्दों पर गोले लगाइए–
1. सुराही 2. भुवन 3. मुनीश 4. साबुन 5. धुला 6. जामुन 7. कछुआ

(ग) 'उ' की मात्रा वाले छह शब्द लिखिए–
मुख दुम चुभना पुल तुम कुसुम

ऊ की मात्रा (ू)

अभ्यास कार्य

(क) ऊ की मात्रा वाले वर्णों से खाली स्थान भरिए–

1. तरबूज / खरबूजा 2. कुरता 3. अमरूद 4. मजबूत

(ख) शब्दों को सही चित्रों से मिलाइए–

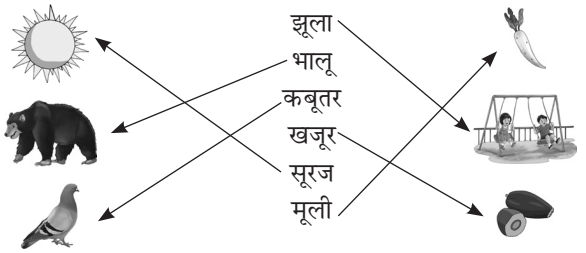

(ग) सही शब्दों वाले खानों में रंग भरिए–

भालू सूरज दूध रूठना

ए की मात्रा (े)

अभ्यास कार्य

(क) सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

1. पेड़ 2. खेत 3. रमेश 4. मेनका

(ख) चित्र पहचानिए और 'ए' की मात्रा वाले शब्द लिखिए–

ठठेरा मेला भेड़ ढेर

(ग) 'ए' की मात्रा वाले चार ऐसे शब्द लिखिए जो पाठ में नहीं आए हों–

करेला देश लुटेरा मेला

ऐ की मात्रा (ै)

अभ्यास कार्य

(क) सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

1. वैभवी 2. सैनिक 3. पैदल 4. नैनीताल 5. शैतान

(ख) सही शब्दों पर निशान (✓) लगाइए–

1. सैर 2. बैल 3. मैले

(ग) मिलती-जुलती आवाज़ों वाले शब्दों को मिलाइए–

1. भैया नैया 2. सैर पैर 3. मैदान शैतान 4. मैला थैला

(घ) इन शब्दों को पढ़ो। इनके बारे में अपने मित्र से बातचीत करो–

'ए' और 'ऐ' की मात्रा के अंतर को बच्चों को समझाएँ।

ओ की मात्रा (ो)

अभ्यास कार्य

(क) इन शब्दों को बार-बार लिखिए–

1. कोयल कोयल कोयल 2. गोलाकार गोलाकार गोलाकार
3. बोतल बोतल बोतल 4. चोर चोर चोर

(ख) इस जाल में छह शब्द छिपे हैं। उन्हें ढूँढ़कर गोले में कीजिए–

मोना, सोनू, जय मोर, तोता, कोयल

औ की मात्रा (ौ)

अभ्यास कार्य

(क) मात्रा जोड़कर शब्द बनाइए–

1. कौशल 2. नौकर 3. चौड़ा 4. लौकी

(ख) इन शब्दों को दो-दो बार लिखिए–

1. खिलौना 2. चौकीदार 3. फौजी

(ग) **खाली स्थान भरिए–**

1. खिलौना 2. लौकी 3. नौकर 4. पौधा

पाठ 6. अन्य मात्राएँ

अभ्यास कार्य

(क) इन प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में दीजिए–

1. जंगल में 2. लंबे 3. लंबा 4. संतरा

(ख) अं की मात्रा (ं) वाले वर्ण भरकर शब्द बनाओ–

1. शंख पतंग 2. कंघा संतरा 3. घंटी चंदन 4. पंख जंगल

पाठ में से दी गई मात्राओं वाले तीन-तीन शब्द छाँटकर लिखिए–

1. **आ (ा) की मात्रा –** गंगा दिया बैठा
2. **ओ (ो) की मात्रा –** मित्रों चेहरों को
3. **उ (ु) की मात्रा –** सुंदर पहुँच

अभ्यास कार्य

(क) चंद्रबिंदु की मात्रा (ँ) लगाकर शब्द बनाइए–

यहाँ चाँद बूँद चाँटा साँप
काँप लहँगा सखियाँ हँसना घूँघट

(ख) खाली स्थान में उचित शब्द भरिए–

1. गाँव कुआँ 2. साँप 3. मछलियाँ 4. कुएँ बूँद 5. पाँच

(ग) विदयार्थी स्वयं करेंगे।

अभ्यास कार्य

(क) रंगीन शब्दों में अः की मात्रा (:) लगाकर वाक्यों को दोबारा लिखिए।

1. इस पाठ को पुनः पढ़ो।
2. शाम के छह बज गए हैं। अतः घर चलो।
3. संभवतः वह आएगा। 4. अंततः भारत जीत गया।

पाठ 8. संयुक्त व्यंजन एवं संयुक्ताक्षर

अभ्यास कार्य

(क) सही शब्दों पर निशान (✓) लगाइए–

1. क्षमा करो। 2. श्रम करो। 3. पत्र लिखो। 4. ज्ञान बढ़ाओ।

अभ्यास कार्य

(क) इन संयुक्ताक्षरों से एक-एक शब्द बनाइए–

प्यारा कच्चा गड्ढा गन्ना क्या शुद्ध गुस्सा ज्वार
गर्व भक्त प्रकार

(ख) इन शब्दों में से संयुक्ताक्षरों को छाँट कर लिखिए।

स्म श्व न्य द्ध क्त र्त
द्ध च्च ष्प ब्ब ट्ट ट्र

पाठ 9. डटे रहो

अभ्यास कार्य

(क) अभ्यास कार्य में आए प्रश्नों के माध्यम से बच्चों की भाषा संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

- दिए गए प्रश्नों पर कक्षा में चर्चा करें।
- प्रत्येक बच्चे से इन प्रश्नों के उत्तर जानें और उन्हें श्यामपट्ट पर लिखें।
- बच्चों के मौखिक अभिव्यक्ति कौशल को उभारने के लिए उन्हें कक्षा में बोलने का अवसर दें।

1. सवेरे उठकर अपने काम में जुट जाना चाहिए।
2. यदि हम अच्छे काम करेंगे तो सब हमें अच्छा बच्चा कहेंगे।
3. पढ़-लिखकर विद्वान बनने से अपना तथा देश का मान-सम्मान बढ़ता है।
4. झूठी शान तथा झूठा मान हमें बदनाम कर सकते हैं।

(ख) इसे बच्चे स्वयं करें। बच्चों को कविता अच्छी तरह कंठस्थ करा दें।

(ग) इसे बच्चे स्वयं करें। इससे वे शुद्ध तथा सुंदर लिखना सीख सकेंगे।

(घ) 1. बच्चा 2. तगड़े 3. पढ़ो 4. शान 5. जुटा 6. मान

(ङ) 1. सवेरे, बच्चे 2. रोज़, करो 3. खूब, झूठा
4. तंदुरूस्ती, झूठी 5. अभिमान, विद्वान

रचनात्मक कार्य

1. इस रचनात्मक कार्य के माध्यम से बच्चों की संगीत एवं लय संबंधी तथा शारीरिक क्रियाओं संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास किया जा सकता है।
   अध्यापक/अध्यापिका कविता को दो या तीन बार स्वयं भी पढ़ें और बच्चों को साथ-साथ दोहराने को कहें। बच्चे मात्रा सीख चुके हैं अत: मात्रा वाले शब्दों का उच्चारण उनसे बार-बार करवाएँ।
   बच्चे कविता को कंठस्थ करें व पूर्ण हाव-भाव सहित कक्षा में सुनाएँ।
2. बच्चे स्वयं करें। अध्यापक/अध्यापिका शब्द अंत्याक्षरी की तरह बच्चों की सहायता करें।

पाठ 10. माली काका

अभ्यास कार्य

प्रश्न-उत्तर की चर्चा कर बच्चों की भाषा संबंधी व तर्क-वितर्क संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास किया जा सकता है।

(क) 1. पौधा लगा रहे थे। 2. राजा ने 3. अपने दरबार में 4. पंद्रह वर्ष

(ख) बच्चों से जानें कि ये वाक्य किसने कहे।

- इससे पता चलेगा कि बच्चों को पाठ समझ में आया है या नहीं। साथ ही यह भी पता चलेगा कि उन्होंने इसे ध्यान से पढ़ा है या नहीं।
- हर बच्चे को बोलने का अवसर दें।

1. राजा ने 2. माली काका ने 3. राजा ने

(ग) पाठ पर आधारित इन वाक्यों के रिक्त स्थानों को उचित शब्दों से बच्चे पूरा करेंगे।

- वाक्यों को शुद्ध उच्चारणसहित पढ़ेंगे।
- शब्दों की वर्तनी पर ध्यान देंगे।

1. पौधा 2. जीवित 3. प्रसन्न 4. दरबार 5. इनाम

(घ) 2. बूढ़े 3. बेटे 4. पोते 5. बच्चे 6. सारे 7. छोटे 8. पौधे

(ङ) 2. नाती और पोते 3. बाप और दादा 4. माता और पिता

रचनात्मक कार्य

इस रचनात्मक कार्य से बच्चों की सामाजिक कुशलता संबंधी तथा अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास किया जा सकता है।

- बच्चे इस कार्य के लिए अपने परिवारवालों का सहयोग लें।
- पेड़ों के नाम वे अपनी कॉपी में लिखें।
- वे अपनी अध्यापिका को इन नामों का शुद्ध उच्चारण करके बताएँ।

पाठ 11. समझदार सेनापति

अभ्यास कार्य

प्रश्न-उत्तर की चर्चा कर बच्चों की भाषा संबंधी व तर्क-वितर्क संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास किया जा सकता है।

(क) मौखिक अभिव्यक्ति को बढ़ाना भाषा-ज्ञान को सुदृढ़ करने का एक माध्यम है।

- दिए गए प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप से बच्चों से जानें।
- बच्चे अपने उत्तर कक्षा के सभी बच्चों को सुनाएँ।
- एक ही प्रश्न का उत्तर कक्षा के कई बच्चों से पूछें तथा सभी का उत्तर सुनकर उन्हें सही उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें। फिर इस सही उत्तर को एक बार फिर से दोहराएँ।
- कहानी से संबंधित कुछ और प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं, जिनके उत्तर केवल एक शब्द में हों। जैसे – राजा ने कैदी को क्या सज़ा सुनाई? राजा को किसकी बात पसंद नहीं आई? दूसरा मंत्री क्या चाहता था?
  1. राजा ने कैदी को मौत की सज़ा सुनाई।
  2. सज़ा सुनकर कैदी ने राजा को भला-बुरा कहा।
  3. सेनापति की बात सुनकर राजा को कैदी पर दया आ गई।
  4. एक मंत्री ने राजा को सच्ची बात बताई।

(ख) कहानी पर आधारित इन वाक्यों को बच्चे ध्यान से पढ़ें।

- सही जोड़े मिलाकर वाक्यों को पूर्ण करवाएँ। फिर इन वाक्यों को कॉपी में लिखवाएँ।
- इस प्रश्न को करते समय कहानी को मौखिक रूप से बच्चों के सामने दोहराकर कहानी के अंश याद दिलाएँ।

  1. मौत की सज़ा सुनाई। 2. भला-बुरा कहा। 3. कैदी पर दया आ गई।
  4. सच्ची बात बताई। 5. आज़ाद कर दिया।

(ग) इस प्रश्न के माध्यम से बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास किया जा सकता है।

- बच्चे दिए गए चित्रों के आधार पर उनके साथ क्रिया रूपों को लिखेंगे।
- अध्यापक/अध्यापिका बच्चों की सहायता करेंगे।
- बेला फल खाती है या पीती है, इस प्रकार के प्रश्न बच्चों से करें।
- बच्चे यदि गलत उत्तर दें तो उनके उत्तर को अध्यापक/अध्यापिका सही करें।
- बच्चे पुस्तक में दिए गए रिक्त स्थानों में अपना उत्तर लिखें। अध्यापक/अध्यापिका इस बात का ध्यान रखें।

  2. पढ़ती है। 3. लिखता है। 4. सूँघता है।

(घ) बच्चों को स्त्रीलिंग और पुल्लिग के बारे में केवल नाम से जानकारी दें।

- जैसे लड़का – लड़की / बूढ़ा – बुढ़िया
- दिए गए शब्दों के जोड़े मिलवाकर कॉपी में लिखवाएँ।
- इन शब्दों से हटकर बच्चों से कुछ और उदाहरण जानने का प्रयास करें। ऐसे शब्द

जिनका प्रयोग बच्चे अपनी भाषा में आम करते हैं उन्हीं शब्दों की चर्चा कक्षा में करें।

2. देवी 3. लड़की 4. चाची 5. माता

(ङ) 1. कैदी 2. मौत 3. कोशिश 4. खुश 5. झूठ

रचनात्मक कार्य

(च) इस प्रश्न पर बच्चों के विचार जानना उचित होगा। बच्चों का उचित मार्गदर्शन करें। उदाहरणस्वरूप कोई कहानी भी सुनाई जा सकती है।

(छ) बच्चों से बातचीत करें तथा उनके अनुभव सुनें। उनमें अच्छे गुण विकसित करने की कोशिश करें।

पाठ 13. राजा जीत गया

अभ्यास कार्य

प्रश्न-उत्तर की चर्चा कर बच्चों की भाषा संबंधी व तर्क-वितर्क संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास किया जा सकता है।

- दिए गए प्रश्नों पर चर्चा करें और उनके उत्तर प्रत्येक बच्चे से जानें।
- सही उत्तर को श्यामपट्ट पर लिखें।
- बच्चों के लिए प्रश्नों के उत्तर लिखने का यह पहला अवसर है अतः उनका मार्गदर्शन करें।

(क) 1. अपने शत्रुओं से
2. वह दीवार पर चढ़ रही थी।
3. उसने शत्रु-राजा पर हमला किया।

(ख) 1. वीर और साहसी था।
2. ने कई बार दीवार पर चढ़ने की कोशिश की।
3. सोचा कि जब यह मकड़ी बार-बार कोशिश करने पर दीवार पर चढ़ सकती है तो मैं अपने शत्रुओं को क्यों नहीं हरा सकता।

(ग) बच्चे सभी मात्राओं का ज्ञान पूरी तरह प्राप्त कर चुके हैं।

- दिए गए शब्दों के साथ बच्चों को उचित मात्रा लगाकर पहले मौखिक रूप से बोलने को कहें। मौखिक रूप से चर्चा के बाद अब वे शब्दों में उचित मात्राएँ लगाएँ।
- अध्यापक/अध्यापिका देखें कि बच्चों ने मात्राएँ सही लगाई हैं या नहीं।
- अशुद्ध वर्तनी को शुद्ध करें तथा बच्चों से सुधार कार्य भी करवाएँ।

बहुत	सैनिक	दुखी	निराश
नीची	मकड़ी	युद्ध	हमला
दीवार	विजय	राजा	कोशिश

(घ) पाठ पढ़ने के दौरान बच्चे इन शब्दों के अर्थ जान गए हैं।

- उनसे इन शब्दों के अर्थ मौखिक रूप से पूछें।
- बच्चों से कहें कि वे शब्दों को उनके उचित अर्थ के साथ जोड़ें।
- इन शब्दों को वाक्य में प्रयोग करके बताएँ, इससे भी अर्थ स्पष्ट होगा।
- बच्चों से भी इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग मौखिक रूप से करने को कहें।

2. जीत 3. जान 4. लड़ाई 5. दुश्मन

(ङ) बच्चे इन संयुक्ताक्षरों के प्रयोग वाले शब्द पाठ से ढूँढ़कर लिखें। इन संयुक्ताक्षरों के प्रयोग वाले एक या दो नए शब्दों से अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को परिचित करवा सकते हैं।

1. प्राण 2. युद्ध 3. इकट्ठा 4. क्यों

रचनात्मक कार्य

(च) इस रचनात्मक कार्य से बच्चों की सामाजिक कुशलता संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास किया जा सकता है।

- छोटी-सी मकड़ी बड़ा-सा जाला बना देती है।
- बच्चे मकड़ी और जाले को देख प्रयत्न के महत्व को जानेंगे।
- बच्चों को लगातार प्रयत्न का महत्व बताएँ।

पाठ 14. नन्ही किरणें

अभ्यास कार्य

(क) पाठ पर आधारित इन प्रश्नों पर कक्षा में चर्चा करें।

- प्रश्नों के उत्तर बच्चों से जानें और उन्हें श्यामपट्ट पर लिखें।
- उसी उत्तर को बच्चों को पुस्तक में दिए रिक्त स्थानों में लिखने को कहें।
- ऐसे ही कुछ और प्रश्न पाठ से मौखिक रूप में पूछें।
- बच्चों से उत्तर जानकर उन्हें भी श्यामपट्ट पर लिखें। एक-एक पैसा जोड़ने से क्या भरता है? नित एक बीज बोने से क्या हो सकता है?

1. सूरज 2. खज़ाना 3. ज्ञान जुटाकर 4. घड़ा

(ख) इसे बच्चे स्वयं करें।

(ग) उलटे अर्थात विपरीत अर्थ वाले शब्दों से बच्चों को परिचित करवाएँ।

- पहले श्यामपट्ट पर कुछ जाने-पहचाने विलोम शब्दों के जोड़े लिखें या चित्र बनाएँ। जैसे – बड़ा × छोटा / मोटा × पतला / काला × गोरा आदि। विपरीत शब्द का अर्थ समझ लेने पर बच्चों से अभ्यास में दिए शब्दों को उलटे अर्थ वाले शब्दों से जोड़ने को कहें।

2. अधिक 3. मूर्ख 4. खाली 5. उजाला

(घ) अब तक बच्चे समान तुक वाले शब्दों से परिचित हो गए हैं।

- बच्चे स्वयं फूल की पंखुडियों में दिए शब्दों से समान तुक वाले शब्द चुनकर रिक्त स्थान में लिखें।
- कार्य समाप्त होने पर प्रत्येक बच्चे को खड़े होकर दिए शब्दों के समान तुक वाले शब्द बोलने को कहें।

2. घोड़े 3. देकर 4. लाल 5. कैसा 6. छाता 7. पग 8. जाग

(ङ) वर्तनी के ज्ञान को परखने के लिए ऐसे अभ्यास अवश्य करवाने चाहिए।

- बच्चे इसे स्वयं करें।
- अध्यापक/अध्यापिका कक्षा में घूमते हुए बच्चों की पुस्तक को जाँचें और गलत होने पर सही का ज्ञान करवाएँ।
- सभी बच्चों का दिमाग एक जैसा नहीं होता। ऐसे में कुछ विद्यार्थी स्वयं इसे कर लेंगे और कुछ को अध्यापक/अध्यापिका के सहयोग की आवश्यकता होगी।

1. क्या 2. नहीं 3. एक 4. बीज 5. किरन 6. बगीचा

रचनात्मक कार्य

(च) 1. इस रचनात्मक कार्य के माध्यम से बच्चों की संगीत एवं लय संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास किया जा सकता है।

- बच्चे कविता को कंठस्थ करें और बारी-बारी से इसे कक्षा में सुनाएँ।
- अध्यापक/अध्यापिका बच्चों के उच्चारण पर ध्यान रखें।
- कविता को हाव-भाव सहित सुनाने के लिए बच्चों को प्रेरित व प्रोत्साहित करें।

2. इस कार्य से बच्चों की सामाजिक कुशलता संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता को बढ़ाया जा सकता है।
   - अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को निर्देश दें ताकि बच्चे इस कार्य को घर पर करें।
   - कुछ दिनों बाद वे पौधे कितने बड़े हुए, यह बात बच्चों से जानें।

पाठ 16. आओ वृक्ष लगाएँ

अभ्यास कार्य

दिए गए प्रश्नों के अलावा कविता से संबंधित कुछ और भी प्रश्न बनाकर पूछें।

- वृक्ष लगाने पर हमें क्या सुविधाएँ मिलेंगी?
- वृक्षों से धरती कैसे सज-सँवर जाती है?
- धरती अशुद्ध हवा को कैसे शुद्ध करती है?
- वर्षा करने में वृक्ष हमारी कैसे सहायता करते हैं?
- वृक्षों पर अपना घर कौन बनाता है?

इससे बच्चों की मौखिक अभिव्यक्ति का विकास होगा, सामान्य ज्ञान बढ़ेगा। विचारों का आदान-प्रदान भी होगा।

(क) 1. हरियाली वृक्ष लगाकर बढ़ाई जा सकती है।
2. बादल के बरसने पर फल ही फल लग जाएँगे।
3. हरे-भरे पेड़ों से धरती सज-सँवर जाएगी।
4. ज़्यादा वृक्ष लगने से ज़्यादा सुविधाएँ मिलेंगी।
5. जब घर-घर नई खुशी होगी तो सब तरफ़ चिड़ियों के स्वर गूँजेंगे।

(ख) कविता की पंक्तियों में दिए गए रिक्त स्थानों को भरने के लिए बच्चों से कविता याद करवाएँ। बच्चे रिक्त स्थानों की पूर्ति कविता कंठस्थ करने पर ही करें।

(ग) इससे बच्चे शब्दों का रूप बदलना सीखेंगे।
- वाक्य में प्रयोग के अनुसार वे शब्दों को बदल सकेंगे।
- इससे बच्चों का शब्द-ज्ञान बढ़ेगा।

2. भरी 3. हरी 4. मिलेगी 5. जाएगी 6. लगेगी 7. खाएगी 8. चलेगी

(घ) 1. धरती 2. सुविधा 3. खुशी 4. बादल 5. निगल

(ङ) बच्चे कविता के आधार पर क्रिया रूपों को जोड़ेंगे।
- बच्चों को सही क्रिया जोड़ने का अभ्यास कराएँ।

2. गूँजेंगे 3. लगेंगे 4. सजेगी 5. पाएँगे 6. मिलेगी

(च) ये शब्दों के बहुवचन रूप हैं। ये शब्द बच्चों को मौखिक रूप से बताएँ।
- एक तथा अनेक का ज्ञान दें।

2. बादलों 3. चिड़ियों 4. स्वरों 5. खुशियों 6. फलों

रचनात्मक कार्य

(छ) 1. इस रचनात्मक कार्य से बच्चों की अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
- बच्चे अपनी सोच से इसका उत्तर बताएँ।
- बच्चे अपने माता-पिता से सहायता ले सकते हैं।
- अध्यापक/अध्यापिका भी इस प्रश्न पर कक्षा में चर्चा करें और उत्तर श्यामपट्ट पर लिखें।

2. इसे बच्चे स्वयं करें।

पाठ 17. मधुमक्खी तथा कबूतर

अभ्यास कार्य

(क) 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗ 6. ✓ 7. ✗

(ख) 1. मधु (शहद) 2. कबूतर 3. पत्ता 4. शिकारी 5. दाहिने

(ग) 1. फल 2. हार 3. उड़ने 4. सच 5. बाण 6. रहती

(घ) 1. वृक्ष 2. पर 3. जल 4. नयन 5. तीर 6. पंछी

(ङ) पीने बैठा चढ़ पाया नाचती

(च) बच्चे स्वयं करें। बच्चों को शब्दों का प्रयोग कर स्वयं वाक्य बनाने के लिए प्रोत्साहित करें। आवश्यकता पड़ने पर उनकी सहायता करें।

(छ) बच्चे स्वयं करें। इससे उनके वाचन-कौशल का विकास होगा तथा उच्चारण संबंधी अशुद्धियाँ दूर होंगी।

(ज) 1. पत्ते 2. मधुमक्खी 3. नदी 4. निशाना

रचनात्मक कार्य

(झ) अध्यापक/अध्यापिका बच्चों की चर्चा आयोजित करें। उन्हें अपनी बात बोलने का अवसर दें। बच्चे अपने अनुभव आपस में बाँटें।

(ञ) रंग भरने में बच्चों की सहायता करें।

पाठ 19. हमारे त्योहार

अभ्यास कार्य

(क) 1. त्योहार 2. केक 3. रंग

(ख) इसे बच्चे स्वयं करें। बच्चों को कविता कंठस्थ करा दें।

(ग) बच्चे त्योहारों की दी गई जानकारी के आधार पर जोड़े मिलाएँगे। बच्चों से त्योहारों पर पकाए जाने वाले अलग-अलग पकवानों के बारे में बात करें। जैसे – होली पर गुजिया, क्रिसमस पर केक।

2. रक्षाबंधन – बहन राखी बाँधती है। 3. दशहरा – रावण का पुतला जलाते हैं।

4. होली – रंगों से खेलते हैं। 5. ईद – सेवइयाँ खाते हैं।

(घ) बच्चे सही और गलत वर्तनी की पहचान करेंगे। ऐसे अभ्यास के माध्यम से बच्चों में भाषा-ज्ञान के प्रति आत्मविश्वास जगता है।

1. मौसम 2. परीक्षा 3. मिठाई 4. ईद

(ङ) मौखिक रूप में पहले सप्ताह के सातों दिनों के नाम बार-बार दोहराएँ।

- हिंदी नामों के साथ अंग्रेज़ी नामों को भी दोहराएँ क्योंकि बच्चे अंग्रेज़ी नामों से परिचित हैं अत: उन्हें हिंदी नाम याद करने में आसानी होगी।
- श्यामपट्ट पर सभी नामों को लिखें।
- बच्चों से दिए गए रिक्त स्थानों में आवश्यक वर्ण लिखकर नाम पूरा करने को कहें।
- अब कक्षा में वर्तनी के साथ प्रत्येक दिन के नाम को बार-बार दोहराएँ।
- बच्चों के कार्य को जाँचें तथा अशुद्ध होने पर उसे शुद्ध करवाएँ।

1. सो**म**वार 2. मंगलवा**र** 3. बुध**वा**र 4. गु**रु**वार 5. **शु**क्रवार

6. श**नि**वार 7. र**वि**वार

रचनात्मक कार्य

(च) दिए गए शब्द-जाल में से बच्चे छह त्योहारों के नाम ढूँढ़ेंगे।

- बच्चों को शब्द-जाल से शब्द ढूँढ़ना सिखाएँ।
- बच्चे पहली बार शब्द-जाल देख रहे हैं। अत: शब्द देखने का तरीका बताएँ कि शब्द या तो ऊपर से नीचे या बाएँ से दाएँ लिखे रहते हैं।
- एक त्योहार का नाम आप स्वयं उन्हें ढूँढ़कर बताएँ।
- शब्द-जाल में छिपे छह त्योहारों के नाम – राखी, दीपावली, क्रिसमस, ईद, दशहरा, गुरुपर्व।